मेडिकल डिवाइस पार्क मार्च 2027 तक तैयार होगा

प्रोजेक्ट अपडेट

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। सेक्टर-28 में विकसित हो रहा मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) मार्च 2027 तक पूरा हो सकेगा। यहां पर अभी उपकरणों की टेस्टिंग के लिए गामा रेडिएशन समेत करीब 13 लैब का निर्माण होना है, जिसमें एक वर्ष का समय लगेगा।

प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि यमुना सिटी के सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित हो रहा है। इसमें अब तक 100 से अधिक भूखंड का आवंटन हो चुका हैं, जबकि एक कंपनी ने उपकरणों का उत्पादन भी शुरू कर दिया है।

बुधवार को मेडिकल डिवाइस पार्क को लेकर उच्च अफसरों की बैठक हुई, जिसमें भारत सरकार के फार्मास्युटिकल विभाग, प्राधिकरण, प्रदेश सरकार समेत हर स्तर के अधिकारी मौजूद रहे। बताया गया कि एमडीपी को पहले मार्च 2026 तक पूरा कराने की योजना थी लेकिन लैब और गामा रेडिएशन सेंटर के चलते एक वर्ष के अधिक समय की मांग की गई है। भारत सरकार एमडीपी के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये देगा, जिसमें से प्राधिकरण को दो किश्तों में करीब 60 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं। इनमें लगभग तीन करोड़ प्राधिकरण के पास बचे हैं, जिससे मौके पर कार्य कराया जा रहा है। वहीं, फार्मास्युटिकल विभाग ने तीन करोड़ रुपये खर्च होने के बाद अगली किश्त के 40 करोड़ रुपये भुगतान को लेकर भी मंजूरी दे दी है।

गामा रेडिएशन सेंटर के लिए साझेदारी जल्द

एमडीपी में गामा रेडिएशन सेंटर के लिए आठ जनवरी को मुंबई में परमाणु ऊर्जा से जुड़ी संस्था बोर्ड ऑफ रेडिएशन एंड आइसोटोप टेक्नोलॉजी (ब्रिट) के साथ साझेदारी होनी थी, लेकिन किसी कारणवश यह तिथि आगे बढ़ गई है। अब जल्द ही नई तिथि घोषित होने के बाद टीम मुंबई जाकर इसके लिए एमओयू करेगी। गामा रेडिएशन सेंटर बनाना महंगा होता है। इसकी लागत और मॉडल पर साझेदारी से काम होगा, ताकि यह आर्थिक रूप से टिकाऊ और मजबूत रहे। ब्रिट की साझेदारी से यह सेंटर परमाणु ऊर्जा मानकों के अनुरूप और तकनीकी रूप से मजबूत बनेगा।

> मेडिकल डिवाइस पार्क का काम मार्च 2027 तक पूरा होगा। यहां जरूरी टेस्टिंग और गामा रेडिएशन सेंटर स्थापित करने की तैयारी चल रही है। वहीं, पार्क समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए कंपनी का चयन किया जा चुका है। - **नागेंद्र प्रताप सिंह**, एसीईओ यीडा